Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

J 9 1 1 5

PAPER - III
PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

PRAKRIT
PAPER - III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

1. Ācārya Bharta has not mentioned this Prakrit Language in his work Nātyaśāstra :
   (1) Māgadhī (2) Ardhamāgadhī
   (3) Śaurasenī (4) Mahārāṣṭrī

2. Main source of the Modern North Indian languages is this language :
   (1) Apabhraṃśa (2) Saṁskrita (3) Tamila (4) Pāli

3. 'All languages are developed from the Prakrit language and all languages again include in the Prakrit' this statement has been given by this poet :
   (1) Jayavallabha (2) Pravarsena (3) Vākpatirāja (4) Koūhala

4. The main characteristic of Śaurasenī Prākrita is :
   (1) Changing T into J (2) Changing D into T
   (3) Changing T into D (4) Changing T into K

5. Paiśācī - Prakrit belongs to this era of Prakrit development :
   (1) Middle period (2) Modern period
   (3) Third period (4) First period

6. The characteristics of Ardhamāgadhī language have been mentioned in this Āgama text :
   (1) Āyāro (2) Vivāgasuyaṁ (3) Sūyagado (4) Samavāyāṅga

7. The code of conduct of the householder is found in this Āgama :
   (1) Vivāgasuyaṁ (2) Uvāsagadasāṅgasutta
   (3) Antagadadasāo (4) Sūyagado

प्राकृत

प्रश्न-पत्र - III

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. आचार्य भरत ने अपने नाट्यशास्त्र में इस प्राकृत भाषा का नामोल्लेख नहीं किया है :

(1) मागधी (2) अर्धमागधी (3) शौरसेनी (4) महाराष्ट्री

2. आधुनिक उत्तर भारतीय भाषाओं की प्रमुख स्रोत यह भाषा है :

(1) अपभ्रंश (2) संस्कृत (3) तमिल (4) पालि

3. 'सभी भाषाएँ प्राकृत भाषा से निकलती हैं और वापिस उसी में आकर फिर मिल जाती हैं' यह कथन इस कवि का है :

(1) जयवल्लभ (2) प्रवरसेन (3) वाक्पतिराज (4) कोऊहल

4. शौरसेनी प्राकृत की मूलभूत विशेषता है :

(1) त् का ज् में परिवर्तन
(2) द् का त् में परिवर्तन
(3) त् का द् में परिवर्तन
(4) त् का क् में परिवर्तन

5. प्राकृत के विकासक्रम में 'पैशाची' प्राकृत इस युग की मानी जाती है :

(1) मध्ययुगीन प्राकृत
(2) आधुनिकयुगीन प्राकृत
(3) तृतीययुगीन प्राकृत
(4) प्रथमयुगीन प्राकृत

6. 'अर्धमागधी भाषा' की विशेषताओं का उल्लेख इस आगम ग्रन्थ में हुआ है :

(1) आयारो (2) विवागसुयं (3) सूयगडो (4) समवायांग

7. इस आगम ग्रन्थ में गृहस्थों के आचार-नियम प्राप्त होते हैं :

(1) विवागसुयं (2) उवासगदसांगसुत्त (3) अंतगडदसाओ (4) सूयगडो

8. This is **not** a Śauraseni Prakrit text :

(1) Chakkhandāgama (2) Tiloyapaññatti

(3) Paumacariyaṁ (4) Aṭṭapāhuḍa

9. According to the general opinion of scholars this statement is **correct** :

(1) Combined form of Apabhraṁsa and Māgadhi is Ardhamāgadhi.

(2) Mahārāṣṭrī and Paiśācī are the base for Ardhamagadhi

(3) A mixed form of Māgadhi and Mahārāṣṭrī is Ardhamāgadhi

(4) Earlier śauraseni and māgadhi languages form the Ardhamāgadhi Prakrit.

10. The main subject matter of the Pejjadosapāhuḍa is :

(1) explanation of Rāga-dveṣa (2) explanation of Ratnatraya

(3) explanation of Six dravyas (4) explanation of Anekāntavāda

11. The Bhagawati Ārādhanā is composed by :

(1) Ācārya Śivārya (2) Ācārya Nemichandra

(3) Ācārya Kundakunda (4) Ācārya Yativṛṣabha

12. Śaurasenī Prakrit was considered as 'Prakrit par excellence' according to :

(1) Ācārya Hemachandra (2) Ācārya Haribhadra

(3) Ācārya Daṅdi (4) Ācārya Jinasena

13. 'Prākritetī Sakalajagajjaṅtūnāṁ Vyākaraṇā - diranāhatasaṁskārah Sahajo Vacanavyāpāraḥ Prakritiḥ . Tatra bhavaṁ saiva vā prākritaṁ'.

The above statement is given by this Ācārya :

(1) Namisādhu (2) Rājashekhara

(3) Hemachandra (4) Vākpatirāja

14. This word is used in Ardhamāgadhī Prakrit :

(1) Kadhedi (2) Pūtā (3) Puliśe (4) Hake

15. The subject matter of the 'Uvāsayājjhayaṇaṃ' is __________.

(1) Code of conduct of Householders (2) Code of conduct of Monks

(3) Karma-theory (4) Grammar

8. यह ग्रन्थ शौरसेनी प्राकृत ग्रन्थ **नहीं** है :

(1) छक्खंडागम (2) तिलोयपण्णत्ति (3) पउमचरियं (4) अट्ठपाहुड

9. विद्वानों के सामान्य विचारों के अनुसार यह कथन **सत्य** है :

(1) अपभ्रंश और मागधी का मिश्रित रूप अर्धमागधी है।

(2) महाराष्ट्री और पैशाची प्राकृतें अर्धमागधी की आधार हैं।

(3) मागधी और महाराष्ट्री का मिश्रित रूप अर्धमागधी है।

(4) प्राचीन शौरसेनी और मागधी भाषाएँ अर्धमागधी प्राकृत का गठन करती हैं।

10. 'पेज्जदोसपाहुड' ग्रन्थ का प्रमुख विषय है :

(1) राग-द्वेष की व्याख्या (2) रत्नत्रय का निरूपण

(3) षड् - द्रव्य विवेचन (4) अनेकान्तवाद की व्याख्या

11. 'भगवती आराधना' ग्रन्थ इनके द्वारा रचित है :

(1) आचार्य शिवार्य (2) आचार्य नेमिचन्द्र (3) आचार्य कुन्दकुन्द (4) आचार्य यतिवृषभ

12. शौरसेनी प्राकृत इन आचार्य के द्वारा श्रेष्ठ प्राकृत मानी गयी थी :

(1) आचार्य हेमचन्द्र (2) आचार्य हरिभद्र (3) आचार्य दण्डी (4) आचार्य जिनसेन

13. प्राकृतेती सकलजगज्जन्तूनां व्याकरणादिरनाहतसंस्कार: सहजो वचनव्यापार: प्रकृति:। तत्र भवं सैव वा प्राकृतम्।
उपर्युक्त यह कथन इस आचार्य द्वारा कथित है :

(1) नमिसाधु (2) राजशेखर (3) हेमचन्द्र (4) वाक्पतिराज

14. यह शब्द अर्धमागधी प्राकृत में प्रयुक्त है :

(1) कधेदि (2) पूता (3) पुलिशे (4) हके

15. 'उवासयाज्झयणं' इस विषय का ग्रन्थ है :

(1) गृहस्थाचार (2) श्रमणाचार (3) कर्मसिद्धान्त (4) व्याकरण

16. Period of composing Saṁvegaraṅgaśālā work is :
(1) 1053 V.S. (2) 1125 V.S. (3) 1153 V.S. (4) 1225 V.S.

17. The works of Ramapāṇivāda are :
(1) Kaṇsavahō and Bhringasandeśa
(2) Ushāniruddha and Mrigankacarita
(3) Kaṇsavahō, Ushāniruddha and Bhringasandeśa
(4) Kaṇsavahō, Ushāniruddha and Prakrit Vritti

18. Gaudavahō text is divided into :
(1) Āśvāsa (2) Kulaka (3) Adhyāya (4) Sarga

19. Which one is **not** correct in the following Pairs ?
(1) Gāhāsattasaī - Hāla
(2) Chauppanamahāpurisacariyaṃ - Śilāṅk
(3) Vasudevahindi - Sanghadāsagaṇī and Dharmadasagaṇī
(4) Nammayāsundarīkahā - Jinadasagaṇi

20. Bhuvanasundarikahā is composed in this language :
(1) Śauraseni Prakrit (2) Mahārāśtrī Prakrit
(3) Māgadhi Prakrit (4) Paiśāchi Prakrit

21. "Uvaogo duviyappo, daṅsaṇaṇāṇaṃ cha daṅsaṇaṃ cadudhā".
The above text is quoted from :
(1) Pancatthikāo (2) Davvasangaho
(3) Pavayaṇasāro (4) Gommaṭṭasāro

22. According to Dravyasaṁgraha the size of soul is given as :
(1) Sūkśma - Parimāṇa (2) Mahat - Parimāṇa
(3) Sva - deha - Parimāṇa (4) Anguṣṭha - Parimāna

23. The name of the commentary on Uttarādhyayanasūtra is :
(1) Dhawalā Tīkā (2) Tatparya Vriṭṭi
(3) Vijayōdayā Tīkā (4) Sukhabōdhā Tīkā

16. संवेगरंगशाला ग्रन्थ का रचना समय है –

(1) 1053 वि.सं. (2) 1125 वि.सं. (3) 1153 वि.सं. (4) 1225 वि.सं.

17. रामपाणिवाद की कृतियाँ ये हैं :

(1) कंसवहो एवं भृंगसंदेश
(2) उषानिरुद्ध एवं मृगांकचरित
(3) कंसवहो, उषानिरुद्ध एवं भृंगसंदेश
(4) कंसवहो, उषानिरुद्ध एवं प्राकृतवृत्ति

18. गउडवहो ग्रन्थ इसमें विभाजित है :

(1) आश्वास (2) कुलक (3) अध्याय (4) सर्ग

19. निम्नलिखित युग्मों में से कौन–सा युग्म सही **नहीं** है ?

(1) गाहासत्तसई – हाल
(2) चउप्पनमहापुरिसचरियं-शीलांक
(3) वसुदेवहिण्डी – संघदासगणि एवं धर्मदासगणि
(4) नम्मयासुन्दरीकहा – जिनदासगणि

20. भुवनसुन्दरीकहा इस भाषा में निबद्ध है :

(1) शौरसेनी प्राकृत (2) महाराष्ट्री प्राकृत (3) मागधी प्राकृत (4) पैशाची प्राकृत

21. ''उवओगो दुवियप्पो, दंसणणाणं च दंसणं चदुधा'' यह गाथांश इस ग्रंथ से उद्धृत है :

(1) पंचत्थिकाओ (2) दव्वसंगहो (3) पवयणसारो (4) गोम्मटसारो

22. द्रव्यसंग्रह के अनुसार आत्मा का यह परिमाण बताया गया है :

(1) सूक्ष्म–परिमाण (2) महत्–परिमाण (3) स्व–देह–परिमाण (4) अंगुष्ठ–परिमाण

23. उत्तराध्ययनसूत्र पर लिखित टीका का नाम है :

(1) धवला टीका (2) तात्पर्यवृत्ति (3) विजयोदया टीका (4) सुखबोधा टीका

24. Read the **Unit - I** and **II** for correct answer :

Unit - I		**Unit - II**	
(a)	Bhagavai Suttaṃ	(i)	Chhedasutra
(b)	Jīvājīvābhigama Suttaṃ	(ii)	Aṅga Āgama
(c)	Vavahāra Suttaṃ	(iii)	Mūla Sutra
(d)	Uttarajjhayaṇaṃ	(iv)	Upāṅga Āgama

Identify the **correct** answer :

(1) (a) and (iv)
(2) (b) and (i)
(3) (c) and (ii)
(4) (d) and (iii)

25. The main subject matter of the Bhagawati Ārādhanā is :

(1) Śadāvaśyaka (2) Jinamāhatmya
(3) Samādhimaraṇa (4) Jina Darshan Vidhi

26. It is believed that the impact of this language is also found on the Prakrit text 'Supāsaṇāhacariyaṁ' :

(1) Saṁskrit (2) Pali (3) Gujrati (4) Apabhraṁsa

27. The stories of the commentary written on Prakrit verses of the Kathākośaprakaraṇa are found in this form :

(1) Apabhraṁsa prose (2) Prakrit prose
(3) Prakrit verses (4) Samskrit and Prakrit verses

28. This is not a sattaka __________.

(1) Kadambari (2) Rambha Manjari
(3) Sriṅgaramanjari (4) Karpuramanjari

29. Who is the author of Gaha Lakhana ?

(1) Virhaṅk (2) Nanditāḍhya (3) Markandeya (4) Hemachandra

24. प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों को सही उत्तर के लिए पढ़िये :

	इकाई – I		**इकाई – II**
(a)	भगवईसुत्तं	(i)	छेदसूत्र
(b)	जीवाजीवाभिगमसुत्तं	(ii)	अंग–आगम
(c)	ववहारसुत्तं	(iii)	मूलसूत्र
(d)	उत्तरज्झयणं	(iv)	उपांग आगम

सही उत्तर को पहचानिए :

(1) (a) एवं (iv)

(2) (b) एवं (i)

(3) (c) एवं (ii)

(4) (d) एवं (iii)

25. भगवती आराधना का मुख्य विषय है :

(1) षडावश्यक (2) जिनमाहत्म्य (3) समाधिमरण (4) जिनदर्शन विधि

26. प्राकृत ग्रन्थ 'सुपासनाहचरियं' पर इस भाषा का प्रभाव माना जाता है :

(1) संस्कृत (2) पालि (3) गुजराती (4) अपभ्रंश

27. 'कथाकोशप्रकरण' की प्राकृत गाथाओं पर वृत्ति की कथाएँ इस रूप में प्राप्त होती हैं :

(1) अपभ्रंश गद्य में (2) प्राकृत गद्य में (3) प्राकृत गाथाओं में (4) संस्कृत-प्राकृत पद्य में

28. यह सट्टक नहीं है :

(1) कादम्बरी (2) रम्भामंजरी (3) शृंगारमंजरी (4) कर्पूरमंजरी

29. गाहालक्खण का लेखक कौन है ?

(1) विरहांक (2) नन्दिताढ्य (3) मार्कण्डेय (4) हेमचन्द्र

30. Rayanawali is the other name of :

(1) Nāmamāla (2) Amarakosha

(3) Paiya Lachchhimala (4) Deshi Namamala

31. These are the Paiya Kosha Granthas :

(1) Prakrita Sarvaswa, Kavi–Darpana, Prakrita–Pengalam

(2) Deshi Namamala, Paiya Lachchhimala, Paiya–Sadda Mahannavo

(3) Paiya Sadda Mahannavo, Prakrit Pengalam, – Sambega Ranga – Shala

(4) Paiya Lachchhimala, Kadambari, Suyagadam

32. The description of Kalinga - Vijaya is found in this inscription :

(1) Mathura - Inscription (2) Hathigumpha - Inscription

(3) Girnara - Inscription (4) Nasik Inscription

33. In which Inscription 'Bhardavasa' word is found ?

(1) Mathura Inscription (2) Nasik Inscription

(3) Khāravela Inscription (4) Girnara Inscription

34. The number of Girnar's rock - Inscription of Ashoka is :

(1) Twenty one (2) Fourteen (3) Ten (4) Seven

35. The salient feature of Apabhraṁśa language is :

(1) Okārabahulā (2) Visargabahulā (3) Ukārabahulā (4) Samskritniṣṭha

36. 'Prakrit Paiṅgalaṁ' is a work of this type __________.

(1) Chhanda (metre) (2) Kośa (dictionary)

(3) Alaṁkāra (figure of speech) (4) Kāvya (poem)

37. The description of public-welfare activities is found in this Aśokan inscription :

(1) Nineth (2) Thirteenth (3) Tenth (4) Second

38. The number of sub-chapters of Sattha-pariṇṇā of Āyāro is :

(1) 7 (2) 8 (3) 9 (4) 11

30. रयणावली इस ग्रन्थ का दूसरा नाम है :

(1) नाममाला (2) अमरकोश (3) पाइयलच्छीमाला (4) देशीनाममाला

31. ये प्राकृत-कोश ग्रन्थ हैं :

(1) प्राकृत सर्वस्व, कवि दर्पण, प्राकृत पैंगलम्
(2) देशीनाममाला, पाइयलच्छीमाला, पाइयसद्दमहण्णवो
(3) पाइयसद्दमहण्णवो, प्राकृत पैंगलम्, संवेगरंगशाला
(4) पाइयलच्छीमाला, कादम्बरी, सुयगडं

32. कलिंग-विजय की चर्चा इस शिलालेख में उपलब्ध है :

(1) मथुरा-शिलालेख (2) हाथीगुम्फा-शिलालेख (3) गिरनार-शिलालेख (4) नासिक-शिलालेख

33. 'भरधवस' शब्द किस शिलालेख में उपलब्ध है?

(1) मथुरा शिलालेख (2) नासिक शिलालेख (3) खारवेल शिलालेख (4) गिरनार शिलालेख

34. गिरनार में उपलब्ध अशोक के शिलालेखों की संख्या है :

(1) इक्कीस (2) चौदह (3) दस (4) सात

35. अपभ्रंश भाषा की प्रमुख विशेषता यह है :

(1) ओकारबहुला (2) विसर्गबहुला (3) उकारबहुला (4) संस्कृतनिष्ठ

36. 'प्राकृत पैंगलम्' इस विधा का ग्रन्थ है :

(1) छन्द (2) कोश (3) अलंकार (4) काव्य

37. लोककल्याण के कार्यों का वर्णन अशोक के इस शिलालेख में पाया जाता है :

(1) नौवें (2) तेरहवें (3) दसवें (4) दूसरे

38. आयारो के सत्थपरिण्णा के उप-अध्यायों की संख्या है :

(1) 7 (2) 8 (3) 9 (4) 11

39. The language of 'Davvasaṅgaho' by Nemichandra is :

(1) Apabhraṁśa (2) Aardhamāgadhī

(3) Sanskrit (4) Śaurasenī

40. The number of verses of Nami-pravrajyā chapter of Uttarajjhayaṇasutta is :

(1) 62 (2) 89 (3) 60 (4) 59

41. 'Pavayaṇasāro' is written by :

(1) Puṣpadanta (2) Siddhasena (3) Kundakunda (4) Yativriṣabha

42. Name of the first chapter of Pavayaṇasāra is :

(1) Ṇeyāhiyāro (2) Ṇāṇāhiyāro (3) Puggalāhiyāro (4) Ajīvāhiyāro

43. Sammaisuttaṁ is composed by :

(1) Malliṣeṇa (2) Devasena (3) Siddhasena (4) Haribhadra

44. Text 'Sammaisuttaṁ' is composed in this language :

(1) Mahārāṣṭrī (2) Paiśāchī (3) Ardhamāgadhī (4) Śaurasenī

45. The example of suffix 'ktvā' is this word :

(1) Gacchiūṇa (2) Kāyavvaṁ (3) Paiīa (4) Ṇaccitthā

46. Example of elision of last consonant in Prakrit is this :

(1) Kavolo (2) Padimā (3) Dāva (4) Saro

47. The main characteristic of Śaurasenī Prakrit is the replacement of Kh, Bh and Dh by :

(1) G (2) D (3) Ph (4) H

39. नेमिचन्द्रकृत 'दव्वसंगहो' की भाषा यह है :

(1) अपभ्रंश (2) अर्धमागधी (3) संस्कृत (4) शौरसेनी

40. उत्तरज्झयणसुत्त के नमिप्रव्रज्या अध्ययन की गाथाओं की संख्या है :

(1) 62 (2) 89 (3) 60 (4) 59

41. 'पवयणसारो' इन्होंने लिखा है :

(1) पुष्पदन्त (2) सिद्धसेन (3) कुन्दकुन्द (4) यतिवृषभ

42. पवयणसार के प्रथम अध्याय का नाम है :

(1) णेयाहियारो (2) णाणाहियारो (3) पुग्गलाहियारो (4) अजीवाहियारो

43. सम्मइसुत्तं इनके द्वारा रचा गया है :

(1) मल्लिषेण (2) देवसेन (3) सिद्धसेन (4) हरिभद्र

44. 'सम्मइसुत्तं' ग्रन्थ इस भाषा में लिखा गया है :

(1) महाराष्ट्री (2) पैशाची (3) अर्धमागधी (4) शौरसेनी

45. 'क्त्वा' प्रत्यय का उदाहरण यह शब्द है :

(1) गच्छिऊण (2) कायव्वं (3) पइईअ (4) णच्चित्था

46. अन्त्य व्यञ्जनलोप का उदाहरण यह है :

(1) कवोलो (2) पडिमा (3) दाव (4) सरो

47. शौरसेनी प्राकृत में ख्, भ् और ध् के स्थान पर यह होता है :

(1) ग् (2) द् (3) फ् (4) ह्

48. Sandhi of A or Ā + U or Ū in Prakrit-language becomes as :

(1) U (2) Au (3) E (4) O

49. Read the **unit - I** and **unit - II** for the **correct** match and :

Unit - I		Unit - II	
(a)	Suhapattō	(i)	Kammadhāraya
(b)	Vajjadeho	(ii)	Daṁda
(c)	Diṇṇadhaṇo	(iii)	Tappurisa
(d)	Surāsurā	(iv)	Bahubbihi

Choose the **correct** answer in the following :

(1) (c) + (ii) (2) (d) + (i)

(3) (a) + (iii) (4) (b) + (iv)

50. This word is the example of secondary suffix :

(1) Dayālu (2) Tiloyaṁ (3) Jiṇavarā (4) Mohāturā

51. This statement is **not** true according to setubaṅdha :

(1) Poem enhances knowledge

(2) Poem produces fame

(3) Poem gives opportunity to gain qualities

(4) Poem does not impress readers

52. The title 'Abhimānameru' is related to __________.

(1) Poet Raidhu (2) Poet Pushpadanta

(3) Poet Dhanpal (4) Poet Svayaṁbhu

53. "Duvihālaṅkaren Vipphuranti .... pasiyau mahu devi maṇohiram" with reference to the above text the word 'duvihā' means.

(1) Śabda and Artha (2) Kataka and Kundala

(3) Night and Day (4) Duvidhā and Suvidhā

48. प्राकृत भाषा में अ अथवा आ + उ अथवा ऊ की संधि होती है :

(1) उ (2) औ (3) ए (4) ओ

49. सही मिलान के लिए **इकाई - I** और **इकाई - II** को पढ़िए तथा :

इकाई - I		**इकाई - II**	
(a)	सुहपत्तो	(i)	कम्मधारय
(b)	वज्जदेहो	(ii)	दंद
(c)	दिण्णधणो	(iii)	तप्पुरिस
(d)	सुरासुरा	(iv)	बहुब्बीहि

निम्नांकित कूटों में से **सही** उत्तर को चुनिए :

(1) (c) + (ii) (2) (d) + (i)

(3) (a) + (iii) (4) (b) + (iv)

50. यह शब्द तद्धितप्रत्यय का उदाहरण है :

(1) दयालु (2) तिलोयं (3) जिणवरा (4) मोहातुरा

51. सेतुबन्ध के अनुसार यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) काव्य से ज्ञान की वृद्धि होती है।

(2) काव्य से यश उत्पन्न होता है।

(3) काव्य गुण अर्जन का अवसर देता है।

(4) काव्य पाठकों को प्रभावित नहीं करता है।

52. 'अभिमानमेरु' उपाधि इनसे सम्बन्धित है :

(1) कवि रइधू (2) कवि पुष्पदन्त (3) कवि धनपाल (4) कवि स्वयंभू

53. दुविहालंकारें विप्फुरंति .... पसियउ महु देवि मणोहिराम।' उपर्युक्त गाथांश के सन्दर्भ में 'दुविहा' का अर्थ है :

(1) शब्द एवं अर्थ (2) कटक एवं कुण्डल (3) रात एवं दिन (4) दुविधा एवं सुविधा

54. ' Juhiṭṭhira jeṭṭha bhāāra ṇāmaheȧ aṅgajualaṁ ' is related to :

(1) Two brothers (2) Two ears (3) Two friends (4) Two Jewels

55. ' Śāwayadhammavihi ' is composed by :

(1) Haribhadrasuri (2) Ācārya Kundakunda

(3) Vimalasūri (4) Swāmīkārtikeya

56. ' Kuvalayamālākahā commences with the maṅgalācaraṇa of :

(1) Jinendra Rishabha (2) Avatara Vishnu

(3) Purushottama Ram (4) Yogi Krishna

57. According to Kuvalayamālākahā ' Saṅkiṇṇakahā ' is :

(1) Mahākāvya - Khandakāvya - Campū

(2) Nātaka - Rupaka - Saṭṭaka

(3) Kathā embodied with the features of all types of Kathas

(4) Prahasana embodied with the features of all types of Prahasans

58. According to Setubaṅdha this statement is **not** true regarding autumn season :

(1) Sattacchaāṅ gaṅdho laggai hiae (2) Khalai Kalambamoo

(3) Ṇa saṅṭhāi pariṇaȧ sihiviruȧ (4) Indadhaṇuṁ ṇa galiȧ

59. " Eṣā ṇāṇakamūśi Kāmakaśikā machhāśikā lāśikā " in this text ' Eṣā ' is used for :

(1) Madanika (2) Vasantasena (3) Radanika (4) Dhoota

60. Phonetic changes in Prakrit are due to these two methods, identify **correct** pair.

(1) Vocalization – Devocalization (2) Word and sentence construction

(3) Unconditional and conditional (4) Sandhi and Vigraha

61. Use of 'Ariho' word for 'Arhah' in Prakrit is the effect of this kind of phonetic change :

(1) aiding new consonant in the beginning

(2) Anaptysix

(3) elision of middle consonant

(4) Use of Anuswara in place of last consonant

54. ‘जुहिट्ठिर जेट्ठ भाआर णामहेअं अंगजुअलं’ का सम्बन्ध इससे है :

(1) भ्रातृद्वय (2) कर्णद्वय (3) मित्रद्वय (4) रत्नद्वय

55. ‘सावयधम्मविहि’ इनकी रचना है :

(1) हरिभद्रसूरि (2) आचार्य कुन्दकुन्द (3) विमलसूरि (4) स्वामीकार्तिकेय

56. ‘कुवलयमालाकहा’ का प्रारम्भ इनके मंगलाचरण से होता है :

(1) जिनेन्द्र ऋषभ (2) अवतार विष्णु (3) पुरुषोत्तम राम (4) योगी कृष्ण

57. कुवलयमालाकहा के अनुसार ‘संकिण्णकहा’ है :

(1) महाकाव्य-खण्डकाव्य-चम्पू (2) नाटक-रूपक-सट्टक

(3) सभी कथाओं के गुणों से युक्त कथा (4) सभी प्रहसन के गुणों से युक्त प्रहसन

58. सेतुबन्ध के अनुसार शरद्ऋतु के सम्बन्ध में यह कथन सत्य **नहीं** है :

(1) सत्तच्छआणँ गन्धो लग्गइ हिअए। (2) खलइ कलम्बामोओ।

(3) ण संठाइ परिणअं सिहिविरुअं। (4) इन्दधणुं ण गलिअं।

59. ‘‘एषा णाणकमूषिकामकशिका मच्छाशिका लाशिका’’ इस उद्धरण में ‘एषा’ का प्रयोग इसके लिये हुआ है :

(1) मदनिका (2) वसन्तसेना (3) रदनिका (4) धूता

60. प्राकृत में इन दो प्रकार से ध्वनि परिवर्तन होता है, इसका **सही** युग्म पहचानें।

(1) घोषीकरण - अघोषीकरण (2) पदरचना - वाक्यरचना

(3) स्वयम्भू - परोद्भूत (4) सन्धि एवं विग्रह

61. ‘अर्हः’ के लिए ‘अरिहो’ शब्द का प्राकृत में प्रयोग इस ध्वनि परिवर्तन का परिणाम है :

(1) आदिव्यंजनआगम (2) स्वरभक्ति

(3) मध्यव्यंजन लोप (4) अन्तिमवर्ण को अनुस्वार

62. This is the example of Haplology in Prakrit :

(1) Karman > Kammo (2) Rājakulam > Rāulaṁ

(3) Sāgarah > Sāaro (4) Patram > Pattalaṁ

63. This is the example of Aphesis in Prakrit :

(1) Pādapīṭham > Pāavīḍaṁ (2) Sthāṇū > Thāṇū

(3) Nayanam > Naaṇaṁ (4) Idānīm > Daṇiṁ

64. The main subject matter of Kattigeyānuvekkhā is :

(1) Eleven Pratimas (2) Twelve Anupreksḥās

(3) Twelve Vratas (4) Fourteen Guṅasthāna

65. Read **Unit - I** and **II** for **correct** match :

	Unit - I		**Unit - II**
(a)	Dhawalā	(i)	Kundakunda
(b)	Daśavaikālika	(ii)	Rampaṅivāda
(c)	Kaṅsavahō	(iii)	Vīrasenaswāmi
(d)	Rayaṅasāra	(iv)	Śayyaṁbhava

Identify the **correct** answer :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

66. Life-sketch of thirty three princes is described in this Āgama text :

(1) Ṇāyādhammakahā (2) Uttarajjhayaṇaṁ

(3) Anūttarōvavāiyadasāō (4) Antagaḍadasāō

67. Characteristic of this type narrative has been in the Līlāvaīkāha :

(1) Saṅkīrṇakathā (2) Miśrakahā

(3) Nītikatha (4) Divyamānuṣīkathā

62. प्राकृत में समाक्षर लोप का उदाहरण यह है :

(1) कर्मन् > कम्मो (2) राजकुलम् > राउलं (3) सागर: > साअरो (4) पत्रम् > पत्तलं

63. प्राकृत में आदि स्वर लोप का यह उदाहरण है :

(1) पादपीठम् > पाअवीडं
(2) स्थाणू > थाणू
(3) नयनम् > णअणं
(4) इदानीम् > दाणिं

64. कत्तिगेयाणुवेक्खा का मुख्य वर्ण्य-विषय है :

(1) एकादश प्रतिमाएँ (2) द्वादस अणुप्रेक्षाएँ (3) द्वादस व्रत (4) चतुर्दश गुणस्थान

65. **सही** मिलान के लिए **इकाई - I** एवं **II** पढ़िए :

इकाई - I		**इकाई - II**	
(a)	धवला	(i)	कुन्दकुन्द
(b)	दशवैकालिक	(ii)	रामपाणिवाद
(c)	कंसवहो	(iii)	वीरसेनस्वामी
(d)	रयणसार	(iv)	शय्यंभव

सही उत्तर पहचानिए :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

66. तैंतीस राजकुमारों के चरित का वर्णन इस आगम ग्रन्थ में हुआ है :

(1) णायाधम्मकहा (2) उत्तरज्झयणं (3) अनुत्तरोववाइयदसाओ (4) अंतगडदसाओ

67. 'लीलावईकहा' में इस प्रकार की कथा की विशेषता निरूपित है :

(1) संकीर्णकथा (2) मिश्रकथा (3) नीतिकथा (4) दिव्यमानुषीकथा

68. Main character Agnisharma of the Samaraiccàkahā is closely associated in his nine rebirths with :

(1) welfare attitude (2) revengeful intention

(3) penancial willingness (4) efforts for acquiring throne

69. After which event Emperor Aśoka's mind changed ?

(1) Kalinga - War (2) Antiyoka - War

(3) Chola - Rajya - War (4) Keral - Putra - War

70. Read units - **I** and **II** for the **correct** match :

Unit - I		Unit - II
(a) Suttāsāyaṇabhīruhi	(i)	Uttarajjhayaṇaṁ
(b) Mokkhassa Kāraṇaṁ Ādā	(ii)	Pavayaṇasāro
(c) Jāṇadi Savvaṁ ṇiravasesaṁ	(iii)	Davvasaṅgaho
(d) Annaṁ patthesi āsamaṁ	(iv)	Sammaisuttaṁ

Choose the **correct** answer code :

(1) (d) + (iv)

(2) (a) + (i)

(3) (c) + (ii)

(4) (b) + (iii)

71. The famous commentay of the Bhagawati - Ārādhanā is :

(1) Dhavalā Tīkā (2) Sukhabodhā Tīkā

(3) Tatparyavratti (4) Vijayodayā Tīkā

72. ' Aṇukidaṁ aṇeṇa piduṇo rūvaṁ ' this statement is given by this character of Mṛcchakatikaṁ :

(1) Radanikā (2) Madanikā (3) Vasantasenā (4) Dhootā

68. 'समराइच्चकहा' के नौ भवों के वर्णन में, प्रमुख पात्र अग्निशर्मा इससे जुड़ा रहता है :

(1) कल्याण करने की भावना
(2) प्रतिशोध की भावना
(3) तपस्या की इच्छा
(4) राज्यप्राप्ति का प्रयत्न

69. किस घटना से सम्राट अशोक का मन परिवर्तित हो गया ?

(1) कलिंग युद्ध
(2) अंतियोक युद्ध
(3) चोलराज्य युद्ध
(4) केरलपुत्र युद्ध

70. प्रथम तथा द्वितीय समूहों को **सही** मिलान के लिए पढ़िए :

समूह - I	**समूह - II**
(a) सुत्तासायणभीरुहि	(i) उत्तरज्झयणं
(b) मोक्खस्स कारणं आदा	(ii) पवयणसारो
(c) जाणदि सव्वं णिरवसेसं	(iii) दव्वसंगहो
(d) अन्नं पत्थेसि आसमं	(iv) सम्मइसुत्तं

सही उत्तरकूट चुनिए :

(1) (d) + (iv)
(2) (a) + (i)
(3) (c) + (ii)
(4) (b) + (iii)

71. 'भगवती आराधना' की प्रसिद्ध टीका है :

(1) धवला टीका
(2) सुखबोधा टीका
(3) तात्पर्यवृत्ति
(4) विजयोदया टीका

72. 'अणुकिदं अणेण पिदुणो रूवं'

यह कथन मृच्छकटिकं के इस पात्र द्वारा कथित है :

(1) रदनिका
(2) मदनिका
(3) वसन्तसेना
(4) धूता

73. This is a work of poetics written by Rajshekhar :

(1) Viddhashālabhañjikā (2) Kāvya Mimaṅsā

(3) Balṙamayana (4) Balbharat

74. "Titthayara vayaṇa Saṅgaha visesa patthāra mūlavāgaraṇī .

Davvaṭṭhiyo ya pajjavaṇayo ya sesā viyappā siṁ". The above text is quoted from this book :

(1) Sanmatitarka prakaraṇa (2) Saṁvegaraṅgaśālā

(3) Samayasāra (4) Samrāiccakahā

75. This Kosha-Granth is important with the literary aesthetics point of view also :

(1) Amarkośa (2) Nāmamālā

(3) Pāiya Lacchī nāmamālā (4) Deśī Nāmamālā

- o 0 o -

73. राजशेखर द्वारा रचित यह अलंकार शास्त्र का ग्रन्थ है :

(1) विद्धशालभंजिका (2) काव्यमीमांसा (3) बालरामायण (4) बालभारत

74. ''तित्थयर वयण संगह विसेस पत्थार मूलवागरणी।

दव्वट्ठियो य पज्जवणयो य सेसा वियप्पा सिं।।''

उपर्युक्त गाथा इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) सन्मतितर्क प्रकरण (2) संवेगरंगशाला (3) समयसार (4) समराइच्चकहा

75. यह कोश-ग्रन्थ साहित्यिक सौन्दर्य की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है :

(1) अमरकोश (2) नाममाला (3) पाइयलच्छी नाममाला (4) देशी नाममाला

- o 0 o -

Space For Rough Work